

प्रेषक,

अर्जुन सिंह,
अपर सचिव
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,
उत्तराखण्ड।

उद्यान एवं रेशम अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 21 अप्रैल, 2008

विषय:- अनुदान संख्या-29 (सामान्य) 30 (एस0सी0एस0पी0) एवं 31 (टी0एस0पी0) के अन्तर्गत जिला पक्ष की चालू योजना 'रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार हेतु समग्र रूप से प्राविधानित धनराशि रु0-64.49 लाख की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक निदेशक रेशम विकास विभाग के पत्रांक-171/रेशम/तक0अनु0/बजट /2008-09 दिनांक 15 अप्रैल, 2008 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा वार्षिक जिला योजना 2008-09 में रेशम विभाग की प्रश्नगत योजना 'रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार' में अनुदान संख्या-29 (सामान्य) 30 (एस0सी0एस0पी0) एवं 31 (टी0एस0पी0) में समग्र रूप से रु0-70.53 लाख का परिष्य अनुमोदित किया गया है। अनुदान संख्या-29 (सामान्य) में प्रश्नगत योजना-0791-रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार में रु0-33.58 लाख, अनुदान संख्या-30 की प्रश्नगत योजना 0293-रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार में रु0-16.30 लाख तथा अनुदान संख्या-31 में प्रश्नगत योजना 16-रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार में रु0-14.61 लाख अर्थात् अनुदान संख्या-29, 30 एवं 31 में प्रश्नगत योजना हेतु समग्र रूप से रु0-64.49 लाख की धनराशि वर्ष 2008-09 के आय-व्यय में प्राविधानित है। अतएव प्रश्नगत जिला योजना रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार हेतु अनुदान संख्या-29, 30 एवं 31 में समग्र रूप से प्राविधानित रु0-64.49 लाख (रु0 चौंसठ लाख उनपचास हजार मात्र) की धनराशि संलग्नक-1 एवं 2 में उल्लिखित विवरणानुसार व्यय हेतु आपके निर्वहन/आवंटन में रखे जाने की महामहिम श्री राज्यपाल महोदय निम्नांकित शर्तानुसार सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1- स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय जिला योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विकेंद्रीकरण के अन्तर्गत जिलाधिकारियों/मण्डलायुक्तों को वित्तीय अधिकार प्रतिनिधायन किये जाने विषयक मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-624/जि0यो0/रा0यो0आ0मु0 सं0/2008, दिनांक-24 मार्च, 2008 के माध्यम से निर्धारित व्यवस्था का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए, जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समितियों द्वारा जनपदवार अनुमोदित परिष्य की सीमान्तर्गत ही किया जायेगा। अनुमोदित परिष्य की सीमा से अधिक व्यय कदापि नहीं किया जायेगा।

2- इस धनराशि का व्यय केवल जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित कार्यो के लिए ही किया जायेगा।

3- उक्त व्यय करते समय वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-267/XXVII(1)/2008, दिनांक-27 मार्च, 2008 (छायाप्रति संलग्न) में दिये गये दिशा-निर्देशों तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों/निर्देशों एवं बजट मैनुअल के सुसंगत नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

4- किसी भी शासकीय व्यय हेतु भण्डार कय प्रक्रिया (स्टोर्स पर्वेस रूल्स) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 आय व्यय सम्बन्धी नियम शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा, तथा कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का कय सूचना प्रौद्योगिकी (I.T.) विभाग के शासनादेशों/दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।

5- अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की कैजिंग त्रैमास के आधार पर निदेशक, रेशम के माध्यम से शासन को उपलब्ध करायी जाय, जिससे राज्य स्तर पर कैशप्लो निर्धारित किये जाने में किसी भी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो।

- 6- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो तो उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- 7- व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है, साथ ही किसी भी प्रकार के मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं रहेगा।
- 8- व्यय की सूचना प्रपत्र बी०एम०-13 पर प्रत्येक माह की 20 तारीख तक वित्त विभाग को अवश्य उपलब्ध कराई जाय तथा धनराशि का आहरण/व्यय एकमुश्त न करके आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।
- 9- यह सुनिश्चित कर लिया जाय, कि अनुदान संख्या-30 के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का उपयोग अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्रों/ग्रामों में अथवा अनुसूचित जाति के लाभार्थियों हेतु तथा अनुदान संख्या-31 के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का उपयोग जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों/ग्रामों में अथवा अनुसूचित जन जाति के लाभार्थियों हेतु ही किया जा रहा है। साथ ही प्रत्येक कार्यक्रम की कार्ययोजना भी तैयार की जाय, जिससे कार्यक्रम क्रियान्वयन की स्पष्ट जानकारी प्राप्त हो सके।
- 10- जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित परिव्यय के सापेक्ष बजट प्राविधान की न्यूनता के कारण कम स्वीकृत की जा रही धनराशि के सापेक्ष निदेशक, रेशम द्वारा पुनर्विनियोग अथवा अनुपूरक अनुदान के माध्यम से यथासमय अतिरिक्त बजट व्यवस्था प्राविधानित कराये जाने हेतु औचित्यपूर्ण प्रस्ताव उपलब्ध कराये जाने तथा तदनुसार आय-व्यय में बजट व्यवस्था सुनिश्चित होने के उपरान्त ही परिव्यय के सापेक्ष अवशेष रही धनराशि की स्वीकृत यथासमय निर्गत की जायेगी।
- 11- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में अनुदान संख्या-29,30 एवं 31 के लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म-00-आयोजनागत के अन्तर्गत संलग्नक-1 में उल्लिखित विवरण में अंकित सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(अर्जुन सिंह)
अपर सचिव।

संख्या-443/XVI/08/7(30)/08, तददिनांक: 21/4/08

प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग माजरा, देहरादून।
2. निदेशक, रेशम विकास विभाग, प्रेमनगर देहरादून।
3. उप निदेशक, रेशम विकास विभाग, प्रेमनगर देहरादून/हल्द्वानी नैनीताल।
4. सहायक निदेशक, रेशम गोपेश्वर घमोली।
5. वित्त अनुभाग-4/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
6. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
7. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय/राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड।
8. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
9. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
10. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
11. सी० डी० फाईल।

आज्ञा से,

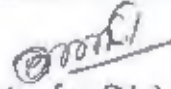
(अर्जुन सिंह)
अपर सचिव।

शासनादेश संख्या-443/XVI/08/7(30)/2008 दिनांक: 2/ अप्रैल, 2008 का संलग्नक-1
रेशम विभाग की जिला सैक्टर की योजना 'रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार' में अनुदान
संख्या-29,30 एवं 31 के अन्तर्गत स्वीकृत की जाने वाली धनराशि का विवरण।

(धनराशि हजार में)

क्र० सं०	लेखाशीर्षक/योजना का नाम/मद	आय-व्ययक प्राविधान	स्वीकृत की जा रही धनराशि
	अनुदान संख्या-29 (जिला सैक्टर) लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म- -आयोजनागत-119-बागवानी और सब्जियों की फसलें-07-शहतूत की खेती एवं रेशम विकास		
1	2	4	5
1.	0791-रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार (जिला योजना) 02-मजदूरी 08-कार्यालय व्यय 09-विधुत देय 15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद 19-विज्ञापन, बिक्री और विख्यापन व्यय 26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र 28-अनुरक्षण 31-सामग्री और सम्पूर्ति	1573 150 25 210 100 300 400 600	1573 150 25 210 100 300 400 600
	योग-0791	3358	3358
2.	अनुदान संख्या-30 (जिला सैक्टर) लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म-आयोजनागत-119- बागवानी और सब्जियों की फसलें-02-अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेंट प्लान 0293-रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार 02-मजदूरी 31-सामग्री और सम्पूर्ति	1430 200	1430 200
	योग-0293	1630	1630
3.	अनुदान संख्या-31 (जिला सैक्टर) लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म-00-आयोजनागत-796- जनजाति क्षेत्र उपयोजना-00- 16-रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार 02-मजदूरी 31-सामग्री और सम्पूर्ति	1421 40	1421 40
	योग-16	1461	1461
	सम्पूर्ण योग- (0791+0293+16)	6449	6449

(रुपये चौंसठ लाख उनपचास हजार मात्र)


(अर्जुन सिंह)
अपर सचिव।


24

शासनादेश संख्या-⁴⁴³/XVI/08/(32)/08, दिनांक-2/ अप्रैल, 2008 का संलग्नक-2

(धनराशि रूपये हजार में)

क्र० सं०	जनपद का नाम	आहरण वितरण अधिकारी का नाम	योजनावार आवंटित धनराशि का विवरण।			कुल आवंटित धनराशि का योग
			0781-रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार	0293-रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार	16-रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार	
1	2	3	4	5		6
1	देहरादून	उपनिदेशक, रेशम, प्रेमनगर देहरादून	804	585	1356	2745
	हरिद्वार	—तदैव—	105	420	0	525
2	धमौली	सहायक निदेशक, रेशम, गोपेश्वर धमौली।	380	50	20	450
	पौड़ी	—तदैव—	300	90	0	390
	टिहरी	—तदैव—	80	20	0	100
	उत्तरकाशी	—तदैव—	240	50	10	300
	रूद्रप्रयाग	—तदैव—	180	40	0	220
3	नैनीताल	उपनिदेशक, रेशम हल्द्वानी	428	100	20	548
	अल्मोड़ा	—तदैव—	85	40	0	125
	बागेश्वर	—तदैव—	220	60	0	280
	पिथौरागढ़	—तदैव—	370	100	20	490
	उधमसिंहनगर	—तदैव—	166	75	35	276
	महायोग अनुदान सं०-(29+30+31)		3358	1630	1461	6449

(रूपये चौंसठ लाख उनपचास हजार मात्र)


 (अर्जुन सिंह)
 अपर सचिव।